



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 23]
No. 23]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 4, 1994/ज्याइस्था 14, 1916
NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 4, 1994/JYAISTHA 14, 1916

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I) PART II—Section 3—Sub-section (I)

भारत सरकार के मंत्रालय (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किये गए साधारण सांख्यिक नियम (जिनमें साधारण प्रकार के
आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
Character) issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other
than the Administration of Union Territories)

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1994

सा. का. नि. 249.—राष्ट्रपति, संविधान के
अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1969
का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते
हैं अर्थात्:—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सचिवालय
आशुलिपिक सेवा (संशोधन) नियम, 1994 है।
- (2) ये 1 जुलाई, 1990 को प्रवृत्त हुए समझे
जाएँगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1969
की पांचवी अनुसूची के पैरा 2 के उपपैरा (1) में, तीसरे

परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अंतः स्थापित किया
जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु यह भी कि यदि उपर्युक्त मद (ख) में विनि-
दिष्ट व्यक्ति कोटा को भरने के लिए उपलब्ध नहीं है
तो उपर्युक्त खण्ड (क) की मद (i) में विनिदिष्ट
व्यक्तियों में से अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों
और अन्य प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए किए जाने वाले
आरक्षण की अपेक्षाओं को प्रभावित किए बिना, चयन
सूची में उस विस्तार तक परिवर्धन किए जाएंगे।”

[सं. 13/6/92-सी. एस.-II]

एम. एस. बाबू, निदेशक (सी. एस.)

स्पष्टीकरण जापन

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी “ग” की
सीधी भर्ती वाले कोटे में कुछ रिक्तियाँ या तो अहित अभ्य-
र्थियों की कमी के कारण या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा

नामनिर्दिष्ट कुछ अभ्यर्थियों के पद-ग्रहण न करने के कारण भरी जाने से रह गई हैं। कर्मचारी पक्ष की ओर से यह लगातार मांग की जाती रही है कि इन न भरी गई रिक्तियों का भर्ती के अन्य स्त्रोतों अर्थात् सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा और उपयुक्तता के अधीन रहते हुए, ज्येष्ठता के आधार पर प्रोन्नति के माध्यम से आयोजन किया जाए क्योंकि इस सेवा की श्रेणी "घ" में अत्यधिक प्रगतिरोध है। इस विषय पर सावधानीपूर्वक विचार करने के पश्चात् संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके यह निश्चय किया गया है कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और

अन्य प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध किए जाने वाले आरक्षण की अपेक्षा के अधीन रहते हुए सीधी भर्ती वाले कोटे की भरी न गई ऐसी नियुक्तियों का वर्ष 1990 की चयन सूची में से प्रोन्नति कोटे में अप्रयोजन करने का उप-बंध किया जाए। तदनुसार केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा नियम, 1969 का 1 जुलाई, 1990 से भूतलक्षी प्रभाव देकर संशोधन करना आवश्यक हो गया है। यह प्रमाणित किया जाता है कि संशोधनों को भूतलक्षी प्रभाव देने से केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा के किसी भी सदस्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

नोट:—मुख्य नियम, भारत के असाधारण राजपत्र में दिनांक 25 जुलाई, 1969 को पृष्ठ 505 पर, सा. का. नि. 1787, दिनांक 24-7-69 के तहत प्रकाशित और तत्पश्चात् निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधित हुए थे :—

क्रम सं.	सा. का. नि. सं.	दिनांक	राजपत्र का प्रारूप	भाग	खण्ड	उप खण्ड	पृष्ठ सं.	अधिसूचना सं.	दिनांक
1.	538	17-4-76	साधारण	II	3	(i)	1034	8/11/75- के.से.—I	5-3-76
2.	816	12-6-76	साधारण	II	3	(i)	1565 से 67	12/10/75- के.से. II(i)	28-5-76
3.	1184	30-9-78	साधारण	II	3	(i)	2233	21/20/78- के.से. I	19-9-78
4.	450	26-4-80	साधारण	II	3	(i)	852	11/4/79- के.से. II(ii)	11-4-80
5.	761 (ई)	29-9-83	असाधारण	II	3	(i)	1-2	10/4/83- के.से.—II	29-9-83

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 5th April, 1994

G.S.R. 249.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Secretariat Stenographers' Services Rules, 1969, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Secretariat Stenographers' Service (Amendment) Rules, 1994.

(2) They shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1990.

2. In the Central Secretariat Stenographers' Service Rules, 1969, in the Fifth Schedule, in paragraph 2. in sub-paragraph (1), after the third proviso, the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided also that if persons specified in item (b) above are not available to fill the quota, additions to the Select List to that extent shall, without affecting the requirements of reservation to be made to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other categories of persons, be made from

amongst the persons specified in item (i) of clause (a) above."

[F. 13/6/92-CS. II]

M. S. BALI, Director (CS)

EXPLANATORY MEMORANDUM

Certain number of vacancies in direct recruitment quota of Grade C of the Central Secretariat Stenographers' Service have been remaining unfilled either due to shortage of qualified candidates or non-joining of some of the candidates nominated by the Staff Selection Commission. There have been persistent demand from the Staff Side for diversion of these unfilled vacancies to other sources of recruitment, namely, through Limited Departmental Competitive Examination and promotion on the basis of seniority subject to fitness as there is acute stagnation in Grade D of the Service. After careful consideration of the matter, it has been decided, in consultation with the Union Public Service Commission, to provide for diversion of such unfilled direct recruitment quota vacancies to promotion quota subject to the requirement of reservations to be provided for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other categories of persons from Select List 1990. Accordingly, it has become necessary to amend the Central Secretariat Stenographers Service Rules, 1969 with retrospective effect i.e., with effect from 1st July, 1990. It is certified that by giving retrospective effect to the amendments, none of the members of the Central Secretariat Stenographers' Service will be adversely affected.

NOTE :—The Principal Rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, dated the 25th July, 1969 at page 505 vide G.S.R. No. 1787 dated 24-7-69 and subsequently amended by the Notifications mentioned below :—

Sl. No.	G.S.R. No.	Date	Type of Gazette	Part	Sec.	Sub-Sec.	Page No.	Notification No.	Date
1.	538	17-4-76	'O'	II	3	(i)	1034	8/11/75-CS.I(i)	5-3-76
2.	816	12-6-76	'O'	II	3	(i)	1565 to 1567	12/10/75-CS.II(i)	28-5-76
3.	1184	30-9-78	'O'	II	3	(i)	2233	21/20/78-CS.I	19-9-78
4.	450	26-4-80	'O'	II	3	(i)	852	11/4/79-CS.II(ii)	11-4-80
5.	761(E)	29-9-83	'E'	II	3	(i)	1-2	10/4/83- CS.II	29-9-83

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड

नई दिल्ली, 19 मई, 1994

सा. का. नि. 250.—भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 (1923 का 5) की धारा (1) की अपेक्षाानुसार भारतीय बॉयलर विनियम, 1950 में और संशोधन करने के लिए 29 जनवरी, 1994 के भारत के राजपत्र, भाग II खण्ड (3) उप-खण्ड (i) के पृष्ठ 193 पर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग), (केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड) की तारीख 11 जनवरी, 1994 की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 57 में कतिपय प्रारूप विनियम प्रकाशित किए गए थे जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी; उक्त राजपत्र सर्व-साधारण को उपलब्ध होने से 45 दिन की अवधि तक आक्षेप तथा सुझाव मांगे गए थे ;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां आम जनता को 16 फरवरी, 1994 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और आम जनता से कोई आक्षेप व सुझाव प्राप्त नहीं हुए थे;

अतः अब भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 (1923 का 5) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड भारतीय बायलर विनियम, 1950 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों को इण्डियन बॉयलर (द्वितीय संशोधन) रैगुलेशन, 1994 कहा जाएगा।

(2) वह राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

2. इण्डियन बॉयलर रैगुलेशन, 1950 (जिन्हें तत्पश्चात उक्त रैगुलेशन कहा जाएगा) में रैगुलेशन 623 के स्थान पर निम्नलिखित रैगुलेशन प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“623. यह अध्याय हीट एक्सचेंजर, कनवर्टर, इवैपोरेटर और वैसे ही अन्य पात्रों पर जिनमें भाप बनाई जाती हो और ऐसे पात्र जो कि स्टीम पाइप या फीड पाइप से जुड़ी हुई फिटिंग हो और बनाव 1 कि. ग्राम/से.मी.² (गैज) से अधिक हो, पर लागू होगा :

परन्तु इस अध्याय का कुछ भी हीट एक्सचेंजर के उन कक्षाओं पर जिनमें भाप नहीं बनाई जाती हो, लागू नहीं होगा।”

[मिसिल सं. 6 (19)/93-बॉयलर]

विजय कुमार गोयल, सचिव

पाद टिप्पणः—मूल विनियम एस. आर. ओ. संख्या 600, दिनांक 15 सितम्बर, 1950 में केवल अंग्रेजी में प्रकाशित किए गए थे व अंतिम बार निम्नलिखित अधिसूचना में संशोधित किए गए थे :

(1) सा. का. नि. संख्या 178 दिनांक 24 मार्च, 1990

(2) सा. का. नि. संख्या 179 दिनांक 24 मार्च, 1990

- (3) सा. का. नि. संख्या 488 दिनांक 9 अक्टूबर, 1993
- (4) सा. का. नि. संख्या 516 दिनांक 23 अक्टूबर, 1993
- (5) सा. का. नि. संख्या 634 दिनांक 25 दिसम्बर, 1993
- (6) सा. का. नि. संख्या 107 दिनांक 26 फरवरी, 1994

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

Central Boilers Board

New Delhi, the 19th May, 1994

G.S.R. 250.—Whereas certain regulations, further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, were published as required by sub-section (1) of Section 31 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923) at page 193 of the Gazette of India, Part II—Section 3, Sub-Section (i), dated the 29th January, 1994 under the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) (Central Boilers Board) No. GSR 57 dated the 11th January, 1994 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of 45 days from the date on which copies of the Gazette containing the said notification were made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 16th February, 1994;

And whereas no objections or suggestions have been received;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), the Central Boilers Board hereby makes the following regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Indian Boiler (Second Amendment) Regulations, 1994.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Indian Boiler Regulations, 1950, for regulation 623, the following regulation shall be substituted, namely :—

“623. Application.—This Chapter shall apply to Heat Exchangers, Converters, Evaporators and similar vessels in which steam is generated and to the vessels which are connected fittings of a steam pipe and the gauge pressure of which is exceeding 1 kg/cm² :

cum :

Provided that nothing in this chapters shall apply to such chambers of Heat Exchangers where no steam is generated.”

[File No. 6(19)93-Boilers]

V. K. GOEL, Secy.

Foot note :—The principal regulations were published in the Gazette of India as SRO No. 600 dated 15th September, 1950 and last amended vide Gazette notifications—

- (i) GSR 178 dated 24th March, 1990
- (ii) GSR 179 dated 24th March, 1990
- (iii) GSR 488 dated 9th October, 1993
- (iv) GSR 516 dated 23rd October, 1993
- (v) GSR 634 dated 25th December, 1993
- (vi) GSR 107 dated 26th February, 1994.

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय,

नई दिल्ली, 13 मई, 1994

सा. का. नि. 251.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और विकास आयुक्त का कार्यालय (लघु उद्योग), नई दिल्ली (पुस्तकालयाध्यक्ष) भर्ती नियम, 1985 को, उन बातों के सिवाय अधिक्रान्त करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिग्रहण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है विकास आयुक्त, लघु उद्योग, नई दिल्ली के कार्यालय में पुस्तकालय और सूचना सहायक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विकास आयुक्त का कार्यालय, लघु उद्योग, नई दिल्ली (पुस्तकालयाध्यक्ष) भर्ती नियम, 1994 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा, जो उपाध्व अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अन्य अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता:—वह व्यक्ति:—

- (1) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (2) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसे विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6
पुस्तकालय और सूचना सहायक	एक* *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा (समूह ग) अराज-पत्रित अनन्यसचिबीय	1400-40-1600- 50-2300-ब.रो.- 60-2600 रु.	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो
7	8	9	10
“28 वर्ष से अधिक नहीं” सरकारी सेवकों की दशा में केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार शिथिल करके 40 वर्ष तक (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 45 वर्ष) तक की जा सकती है। टिप्पण:—आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह होगी जो कर्मचारी चयन आयोग द्वारा विज्ञापित की जाए।	आवश्यक : (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से डिग्री या समतुल्य; (2) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से पुस्तकालय विज्ञान में डिग्री या समतुल्य। टिप्पण:—अर्हताएं अन्यथा सु-अर्हित अभ्यर्थियों की दशा में कर्मचारी चयन आयोग सक्षम प्राधिकारी के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।	लागू नहीं होता	दो वर्ष
भर्ती की पद्धति: भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	11	12
सीधी भर्ती द्वारा, टिप्पण:—पदधारी की प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण पर या लम्बी छुट्टी या अध्ययन छुट्टी या किन्हीं अन्य परिस्थितियों में एक वर्ष या उससे अधिक अवधि के लिए बाहर रहने के कारण हुई रिक्तियां केन्द्रीय सरकार के ऐसे पदधारियों में से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण पर भरी जा सकेगी जो नियमित आधार पर सद्राश पद धारण किए हुए हैं और जिनके पास स्तम्भ 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित अर्हताएं हैं।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण: (क) 1. जो नियमित आधार पर सद्राश पद धारण किए हुए हैं; या 2. जिन्होंने 1200—2040 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है; या 3. जिन्होंने 950—1500 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 13 वर्ष नियमित सेवा की है; और (ख) जिनके पास स्तम्भ 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित अर्हताएं और अनुभव है।	13	14
विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	समूह 'ग' पदों के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति:	लागू नहीं होता
1. निदेशक (पुस्तकालय) विकास आयुक्त का कार्यालय (लघु उद्योग)—अध्यक्ष		2. उपनिदेशक (प्रशासन) विकास आयुक्त का कार्यालय (लघु उद्योग)—सदस्य	
3. उपनिदेशक (पुस्तकालय) विकास आयुक्त का कार्यालय (लघु उद्योग)—सदस्य			

Ministry of Industry
(Office of the Development Commissioner)
(Small Scale Industries)
New Delhi, the 13th May, 1994

G.S.R. 251.— In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, (Librarian) Recruitment Rules, 1985 except as respects things done or omitted to have been done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Librarian and Information Assistant in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, namely:—

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Office of the Development Commissioner Small Scale Industries, New Delhi, (Librarian) Recruitment rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of Post, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule hereto annexed.

3. Method of Recruitment, age limit, other qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid

4. Disqualification.—No person,—

- (a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a living spouse, or
- (b) Who, having a living spouse has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect any reservations, relaxations of age limit and other concessions required to be provided for the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post
1	2	3	4	5
Library and Information Assistant	One*	General Central Service (Gr. 'C') Non-gazetted, Non-Ministerial	Rs. 1400-40-1600-50- 2300-EB-60-2600/-	Not Applicable
*Subject to variation dependent on workload.				

Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of CCS (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruitment	Educational & other qualifications required for direct recruit	Whether age & educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees
6	7	8	9
Not Applicable	<p>"Not exceeding 28 years"</p> <p>Relaxable upto 40 years (upto 45 years in respect of Scheduled Caste/Scheduled Tribe candidates) in case of Govt. servants in accordance with the instructions or orders issued by the Central Govt.</p> <p>Note: The crucial date for determining the age limit shall be as advertised by the Staff Selection Commission.</p>	<p>Essential:</p> <p>(1) Degree of recognised university or equivalent.</p> <p>(2) A degree in Library Science from a recognised university or equivalent.</p> <p>Note: Qualifications are relaxable by the SSC/competent authority in case of candidates otherwise well qualified.</p>	Not Applicable

Period of Probation	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation or transfer, grades from which promotion/deputation transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which the UPSC is to be consulted in making recruitment
10	11	12	13	14
2 years.	<p>By direct recruitment.</p> <p>Note: Vacancies caused by the incumbent being away on transfer on deputation or long leave or study leave or under other circumstances for duration of one year or more may be filled on transfer on deputation from the officials of the Central Government holding analogous posts on regular basis and possessing the qualifications prescribed for direct recruits under column 8.</p>	<p>Transfer on deputation:</p> <p>(a) 1. Holding analogous posts on regular basis; or</p> <p>2. With 5 years regular service in posts in the scale of Rs. 1200-2040/- or</p> <p>3. With 13 years regular service in posts in the scale of Rs. 950-1500 or equivalent; and</p> <p>(b) Possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8.</p>	<p>DPC for Group 'C' posts:</p> <p>1. Director (Library) Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries)—Chairman.</p> <p>2. Deputy Director (Administration) Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries)—Member</p> <p>3. Deputy Director (Library), Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries)—Member</p>	Not Applicable.

[File No. A-12018(2)/93-A(HE)]

H.N. GUHA, Dy. Director (Administration)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1993

सा. का. नि. 252.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवर्तित शक्तियों का प्रयोग करने हुए, और स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य शिक्षा तकनीकी श्रेणी-I भर्ती नियम, 1963 को, जहाँ तक उसका संबंध स्वास्थ्य शिक्षा तकनीकी श्रेणी-I (प्रतिरूपण) से है, उन बातों के सिवाए अतिरिक्त करने हुए, जिन्हें ऐसे परिष्करण में पहले किया गया है या करने का योज किया गया है, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो में कुछ समूह "ख" अराजपत्रित पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, (समूह "ख" अराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1993 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे, जो इन नियमों से उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि:—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्तर्गत बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं:—वह व्यक्ति:—(क.) जिम्मे ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या (ख.) जिम्मे अपने पति या पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पदों पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. ध्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा
						केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
स्वास्थ्य शिक्षा तकनीकी श्रेणी-I (प्रतिरूपण)	1* (1993)	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ख" अराजपत्रित, अननुसूचितवर्गीय	1640-60-2600- द.रो.-75-2900 रु.	चयन	30 वर्ष से अधिक नहीं। (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए	नहीं
	*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।					

पांच वर्ष तक शिथिल
की जा सकती है।

टिप्पणः—आयु-सीमा अव-
धारित करने के लिए
निर्णायक तारीख भारत में
अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त
करने के लिए मियत की
गई अन्तिम तारीख होगी
(न कि वह अन्तिम तारीख
ओ असम, मेघालय, अरुणा-
चल प्रदेश, मिजोरम,
मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा,
सिक्किम, जम्मू व कश्मीर
राज्य के लद्दाख खण्ड,
हिमाचल प्रदेश के लाहौल
और स्पीति जिले तथा
जम्मू जिले के पांगी उप-
खण्ड अंदमान और निको-
बार द्वीप समूह या लक्ष-
द्वीप के अभ्यर्थियों के लिए
विहित की गई है)।

भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए
अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों
के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्ह-
ताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू
होंगी या नहीं

परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो

8

9

10

(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/
संस्थान से प्रतिरूपण या वाणिज्यिक
कला में डिग्री/समतुल्य डिप्लोमा या
समतुल्य।

नहीं

प्रोन्नत व्यक्तियों और सीधे भर्ती किए
जाने वाले व्यक्तियों के लिए दो वर्ष।

(ii) काष्ठ या धातु या पलस्तर आदि की
प्रतिमा बनाने में तीन वर्ष का अनुभव।

टिप्पण 1 :— अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा
सकती है।

टिप्पण 2 :— अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित
जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर
संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित
अनुभव रखने वाले उक्त समुदायों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

भर्ती की पद्धति: भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

11

प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

12

प्रोन्नति:—ऐसे स्वास्थ्य शिक्षा तकनीकी श्रेणी II (बढ़ीगिरी) जिन्होंने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण:

केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी:

(क) (i) जो नियमित आधार पर सर्वश्रेष्ठ पद धारण किए हुए हैं; या

(ii) जिन्होंने 1400—2300/2600 रुपए या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है ; और

(ख) जिनके पास स्तम्भ 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव हैं।

पोषक प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में हैं, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्त व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काउन्सिल-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा आवेदन प्राप्त होने की अन्तिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

13

समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति (प्रोन्नति/पुष्टि के लिए)

1. निदेशक (ए. और बी.)—अध्यक्ष
2. निदेशक, सी. एच. ई. बी.—सदस्य
3. उप निदेशक, प्रशासन, (सी. और बी.)—सदस्य
4. उप निदेशक प्रशासन (सी. एच. ई. बी.)—सदस्य

टिप्पण:—सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

14

सीधी भर्ती करने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

[सं. ए.-14019/8/89-सी. एच. ई. बी. (स्था.-1)]

मं. एल. भाटिया, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

New Delhi, the 7th December, 1993

G.S.R. 252.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Directorate General of Health Services, Health Education Technician Grade I Recruitment Rules, 1963, in so far as they relate to the post of Health Education Technician Grade I (Modelling), except as respect things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to certain Group 'B' Non-Gazetted posts in the Central Health Education Bureau of Directorate General of Health Services, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services (Group 'B' Non-Gazetted posts) Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of Recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters relating thereto

shall be as specified in columns 5 to 14 of the said schedule.

4. Disqualifications.—No person,—

- (a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxations for age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of Central Civil Services (Pension) Rules, 1972
1	2	3	4	5	6	7
Health Education Technician Gr. I (Modelling)	1* (1993)	General Central Service Gr. B Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 1640- 60-2600- EB-75- 2900.	Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	No

*Subject to variation dependent on work load.

Note: The crucial date

8	9	10	11	12
<p>duled Tribes if at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p>				<p>the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion (Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisations/ Department of the Central Government shall ordinarily not to exceed three years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation shall be not exceeding 56 yrs. as on the closing date of receipt of applications).</p>
If a Departmental Promotion Committee exists what is its Composition				Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
13	14			
<p>Group 'B' Departmental Promotion Committee (for promotion/confirmation):</p> <p>(1) Director (A&V)—Chairman.</p> <p>(2) Director, CHEB—Member.</p> <p>(3) Dy. Director Administration—(C&B)—Member.</p> <p>(4) Dy. Director Administration (CHEB)—Member.</p> <p>Note: The proceedings of Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.</p>	<p>Consultation with Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment.</p>			

[No. A-14019/6/89-CHEB/Estt. II]
C. L. BHATIA, Under Secy.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 6 मई, 1994

सा. का. नि. 253 —मंत्रालय की दिनांक 6-1-94 की अधिसूचना संख्या ए. 12018/24/92-आर आर/एम ई (पी जी) की अनुसूची के कॉलम 13 में "सदस्य" शब्द के स्थान पर "अध्यक्ष" शब्द रखे जाएंगे।

[संख्या ए.-12018/24/92-आर आर/एम. ई. (पी जी)]
आर. एल. मल्होत्रा, डेस्क अधिकारी

CORRIGENDUM

New Delhi, the 6th May, 1994

G.S.R. 253.—For the word "Member" in Column No. 13 of the Schedule to this Ministry's Notification No. A. 12018/24/92-RR/ME(PG) dated 6-1-94, the word "Chairman" may please be substituted.

[No. A-12018/24/92-RR/ME(PG)]
R. L. MALHOTRA, Desk Officer

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 18 मई, 1994

सा.का.नि. 254:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय/प्रादेशिक जैव उर्वरक विकास केन्द्र [समूह "क" और समूह (ख) पद] भर्ती नियम, 1986 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय/प्रादेशिक जैव उर्वरक विकास केन्द्र (समूह "क" और समूह "ख" पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1994 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राष्ट्रीय/प्रादेशिक जैव उर्वरक विकास केन्द्र (समूह "क" और समूह "ख" पद) भर्ती नियम, 1986 की अनुसूची में, क्रम सं. 2 के सामने, ज्येष्ठ सूक्ष्म जीव वैज्ञानिक और ज्येष्ठ सूक्ष्म जीव वैज्ञानिक-सह-प्रादेशिक निदेशक के पद से संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् :-

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद
1	2	3	4	5
"2. (क) ज्येष्ठ सूक्ष्मजीव वैज्ञानिक-1	7* (1994)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "क", राजपत्रित, अतनुसचिवीय	3700-125-4700-150-5000 रु.	लागू नहीं होता
(ख) ज्येष्ठ सूक्ष्म जीव वैज्ञानिक-सह-प्रादेशिक निदेशक-6	आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।			

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा

सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं

6

6(क)

50 वर्ष से अधिक नहीं।

हों।

(केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी केवल सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए।

सेवकों के लिए पांच वर्षों तक शिथिल की जा सकती है।

परन्तु यह फायदा तब अनुज्ञेय नहीं होगा जब ऐसे सीधे भर्ती किए गए व्यक्ति ने ज्येष्ठ सूक्ष्म जीव वैज्ञानिक-सह-प्रादेशिक निदेशक के रूप में नियुक्ति के पूर्व केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी संघ राज्य क्षेत्र सरकार के अधीन अथवा ऐसी किसी सरकार के अधीन किसी स्वशासी निकाय में कोई पद धारण किया है और उसे वहां केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा दिया जा चुका है अथवा उसे केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र सरकार अथवा ऐसी सरकारों के अधीन किसी स्वशासी निकाय के अधीन की गई सेवा की अवधि की गणना भारत सरकार की सेवा के साथ कराने का फायदा दिया जा चुका है।

टिप्पण :- आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक

तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खण्ड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा-जिले के पांगी उपखण्ड, अंदमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित की गई है)।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और शैक्षिक अर्हताएं सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों परीक्षा की अवधि यदि कोई के लिए विहित आयु और शैक्षिक हो अर्हताएं प्रोन्नति व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं

7

8

9

आवश्यक :

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मृदा विज्ञान/ रसायन विज्ञान या कृषि रसायन विज्ञान या सूक्ष्म जीव विज्ञान में एम.एस. सी.या समतुल्य ।
- (ii) उर्वरकों के उपयोग/कार्बनिक अपशिष्ट के पुनः चक्रण/ जैव उर्वरकों के उपयोग और उनके क्वालिटी नियंत्रण/सस्य विज्ञान या कृषि विस्तार के क्षेत्र में सात वर्ष का अनुभव ।

टिप्पण 1. अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है ।

टिप्पण : 2. अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है ।

- वांछनीय : (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में डाक्टरेट डिग्री या समतुल्य ।
- (ii) उर्वरक/खाद के क्षेत्र में विकासात्मक कार्यक्रम कार्यान्वित करने का प्रशासनिक अनुभव ।

आयु : नहीं
शैक्षिक अर्हताएं : हां

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए एक वर्ष

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरो जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

10

11

- (i) 20 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।
- (ii) 30 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा भी है), जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ; और
- (iii) 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा ।

प्रोन्नति: ऐसे कृषि शास्त्री और प्रशिक्षण-सह-विस्तार विशेषज्ञ, जिसने अपनी-अपनी श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है । प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों/पब्लिक सेक्टर उपक्रमों/विश्वविद्यालयों/मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थानों/ग्रह

सरकारी/स्वभावी या कानूनी संगठनों के अधीन ऐसे अधि-
कारी :

- (क) (i) जो नियमित आधार पर सद्गुण पद धारण किए हुए हैं, या
(ii) जिन्होंने 3000-5000 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर चार वर्ष नियमित सेवा की है ; या
(iii) जिन्होंने 3000-4500 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है ; और
(ख) जिनके पास स्तंभ (7) के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव है ।

पोषक प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे । इसी प्रकार प्रतिनियुक्त व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे ।

प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठर काष्ठ पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया 4 (चार) वर्ष से अधिक नहीं होगी । प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) द्वारा नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु-सीमा आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी ।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा ।

12

समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति (प्रोन्नति के संबंध में विचार करने के लिए) :

1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग —अध्यक्ष
2. संयुक्त सचिव (उर्बरक) —सदस्य
3. संयुक्त सचिव (प्रशासन) —सदस्य

समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) :

1. संयुक्त सचिव (उर्बरक) —अध्यक्ष
2. संयुक्त सचिव (प्रशासन) —सदस्य

टिप्पण: सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति की पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति को बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी ।

13

सीधे भर्ती और किसी अधिकारी को प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) पर नियुक्ति करने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है ।

टिप्पण : मूल नियम, भारत के राजपत्र में सा.का.नि. सं. 367 तारीख 24-5-1986 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनमें उसके पश्चात सा.का.नि. 322 तारीख 6-5-89 और सा.का.नि. 424 तारीख 20-7-1991 द्वारा संशोधन किया गया है ।

[फा. सं. 6-30/93-उर्बरक योजना]

सी.आर. डांडा, डेस्क अधिकारी (उर्बरक योजना)

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 18th May, 1994

(Group 'A' and Group 'B' Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

G.S.R. 254.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the National/Regional Bio-Fertiliser Development Centres (Group 'A' and Group 'B' Posts) Recruitment Rules, 1986 namely :—

(1) These rules may be called the National/Regional Bio-Fertiliser Development Centres

2. In the schedule to the National/Regional Bio-Fertiliser Development Centres (Group 'A' and Group 'B' Posts) Recruitment Rules, 1986, against serial number 2, for the entries relating to the posts of Senior Microbiologist and Senior Microbiologist-cum-Regional Director, the following entries shall be substituted, namely :—

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
"2. (a) Senior Microbiologist-I (b) Senior Microbiologist-cum-Regional Director-6	7* (1994)	General Central Service, Group 'A', Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 3700-125-4700-150-5000.	Not applicable.	Not exceeding 50 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The Crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu & Kashmir State, Lehaval and Spiti district and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh Andaman and Nicobar Island or Lakshadweep).

*Subject to variation dependent on workload.

Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.

(6a)

Yes.

Only for direct recruits.

Provided that this benefit shall not be admissible, if such a direct recruit before his appointment as Senior Microbiologist-cum-Regional Director had held a post under the Central or State or a Union Territory Government or in an autonomous body under any of such Governments where he has been given the benefit of added years of service under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, or has been given the benefit of counting that period of service rendered under the Central or State or Union Territory Government or an autonomous body under any such Governments with the Government of India.

Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods
(7)	(8)	(9)	(10)
Essential : (i) M.Sc. in Soil Science/Chemistry or Agricultural Chemistry or Microbiology from a recognised University or equivalent. (ii) 7 years' experience in the field of fertiliser use/recycling of organic waste/use of bio-fertiliser and their quality control/Agro-nomy or Agricultural extension. Note : 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note : 2. The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.	Age : No Educational Qualifications : Yes.	One year for direct recruits	(i) 20% by promotion failing which by direct recruitment; (ii) 30% by transfer on deputation (including short-term contract) failing which by direct recruitment and (iii) 50% by direct recruitment.
Desirable : (i) Doctorate Degree in the subject concerned from a recognised University or equivalent. (ii) Administrative experience of implementing developmental programmes in the field of Fertiliser/Manure.			
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If Departmental Promotion Committee exists, what is its composition		Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted making recruitment.
(11)	(12)		(13)
Promotion. Agronomist and Training-cum-Extension Specialist with five years' regular service in the respective grade. Transfer on deputation (including short-term contract): Officers under the Central/State Governments/ Union Territories/Public Sector Undertakings/ Universities/Recognised Research Institutions/ Semi -Government Autonomous or Statutory Organisations : (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or	Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering promotion) : 1. Chairman/Member, Union Public Service Commission—Chairman. 2. Joint Secy. (Fert.)—Member. 3. Joint Secy. (Admn.)—Member. Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation): 1. Joint Secy. (Fert.)—Chairman. 2. JointSecy. (Admn.)—Member.		Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and appointing an officer on transfer on deputation (including short-term contract)."

(11)	(12)	(13)
<p>(ii) with 4 years' regular service in posts in the scale of Rs. 3000—5000; or equivalent; or</p> <p>(iii) with 5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 3000—4500; or equivalent; and</p> <p>(b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under Col. (7).</p>	<p>Note : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.</p>	

The Departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation.

Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion.

Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not to exceed 4 (four) years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation (including short-term contract) shall be, not exceeding 56 years, as on the closing date of receipt of applications).

Note : The Principal rules were published in the Gazette of India vide number GSR 367 dated 24-5-1986 and subsequently amended vide GSR 322 dated 6-5-1989 and GSR 424 dated 20-7-1991.

[File No. 6—30/93—Fert. Plg.]

C.R. DHANDA, Desk Officer, (Fert. Plg.)

ग्रामीण विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1994

सा. का.नि. 255.—गेहूँ का आटा श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1993 का प्रारूप कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 की अपेक्षाानुसार भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 20 मार्च, 1993 में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सं. का. नि. 152, तारीख 18 फरवरी, 1993 के अधीन प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, उस तारीख से निसको उस राजपत्र की प्रतियाँ, जिसमें उक्त अधिसूचना अंतर्बिष्ट हो, जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं पैतालीस दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को 22 मार्च, 1993 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप नियमों की बाबत प्राप्त आक्षेपों/सुझावों पर विचार कर लिया है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और गेहूं का आटा श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम 1981 को उन धातों के सिवाय, अधिभ्रंशित करते हुए जिन्हे ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम, लागू होना और प्रारम्भ —

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम गेहूं का आटा श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम 1993 है।

(2) ये भारत में उत्पादित गेहूं के आटे को लागू होंगे।

(3) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “कृषि विपणन सलाहकार” से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है ;

(ख) “प्राधिकृत पैकर” से ऐसा व्यक्ति या व्यक्ति निकाम अभिप्रेत है जिसे इन नियमों में विहित श्रेणी मानकों और प्रक्रियाओं के अनुसार गेहूं के आटे का श्रेणीकरण और चिन्हांकन करने के लिए प्राधिकार प्रमाणपत्र अनुदत्त किया गया है ;

(ग) “प्राधिकार प्रमाणपत्र” से साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के अधीन श्रेणी अभिधान चिन्ह से गेहूं के आटे का श्रेणीकरण और चिन्हांकन करने के लिए किसी व्यक्ति या व्यक्ति निकाम को प्राधिकृत करने हुए जारी किया गया प्रमाणपत्र अभिप्रेत है ;

(घ) “गेहूं का आटा” से ऐसी प्रक्रिया द्वारा जिममें सूजी और मंदा को नहीं निकाला जाता है, उत्पादित चोकरयुक्त गेहूं का आटा अभिप्रेत है ;

(ङ) “अनुसूची” से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

3. श्रेणी अभिधान—गेहूं के आटे की क्वालिटी उपदर्शित करने के लिए श्रेणी अभिधान अनुसूची 1 के स्तंभ 1 में उपवर्णित प्रकार का होगा।

4. क्वालिटी की परिभाषा—श्रेणी अभिधान द्वारा उपदर्शित क्वालिटी अनुसूची 1 के स्तंभ 2 से 9 तक में प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने उप दर्शित प्रकार की होगी।

5. श्रेणी अभिधान चिन्ह—श्रेणी अभिधान चिन्ह निम्नलिखित से मिलकर बनेगा—

(1) वस्तु का नाम श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट करने वाला लेबल जिस पर “एगमार्क” शब्द सहित भारत के नक्शे की बाह्य रेखाओं का डिजाइन तथा अनुसूची 2 में उपवर्णित चिन्ह से मिलता जुलता “भारतीय उत्पाद और Produce of India” शब्दों सहित उगते हुए सूरज की आकृति होगी, या

(2) एक ऐसे डिजाइन की “एगमार्क प्रतिकृति” जिसमें प्राधिकार प्रमाणपत्र का संख्याक “एगमार्क” शब्द, वस्तु का नाम और श्रेणी अभिधान होगा, जो अनुसूची 2 (क) में उपवर्णित चिन्ह से मिलता जुलता हो।

परन्तु यह कि एगमार्क लेबल के स्थान पर एगमार्क प्रतिकृति के उपयोग की केवल उस प्राधिकृत पैकर को ही अनुज्ञा दी जाएगी, जिसे कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा ऐसी शर्तों के अधीन रहने हुए, जो समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाएं लिखित रूप से किए गए पर आवश्यक अनुज्ञा दी गई हो।

6. पैक करने की पद्धति, (1) गेहूं का आटा, नए, मजबूत, स्वच्छ और सूखे आधानों में, जैसे कपड़े के थैलों, जुट के थैलों, पालीथीन थैलों या कैनवास/हैसन/पालीथिलीन या पाली प्रोपिलीन से स्तरित कागज से बने पैकेजों या किन्हीं ऐसे अन्य आधानों में, जो कृषि विपणन सलाहकार या इन संबंध में प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित किए जाएं, पैक किया जाएगा।

(2) आधान पूर्णतः या भागतः किसी ऐसी विषैले या हानिकार पदार्थ से, जो अंतर्बस्तु को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बनाएगा, बने नहीं होंगे।

(3) आधान, कीटग्रस्त, कवक संदूषण या किसी अवांछनीय गंध से मुक्त होंगे।

(4) प्रत्येक पैकेज में केवल एक ही श्रेणी का गेहूं का आटा होगा। एक ही लाट और श्रेणी अभिधान की श्रेणीकृत सामग्री वाले छोटे पैकों को उपयुक्त संख्या में बड़े मास्टर आधान में पैक किया जा सकेगा, परन्तु यह तब जब कि सभी ऐसे पैकेजों पर उचित श्रेणी अभिधान चिन्ह हो और उसकी विविधियां मास्टर आधान पर लगे हुए लेबल पर उपदर्शित होंगी।

(5) प्रत्येक पैकेज/आधान कृषि विपणन सलाहकार या इस संबंध में प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा विहित रीति से मजबूती से बंद किया जाएगा।

7. चिन्हांकन पद्धति :—(1) श्रेणी अभिधान चिन्ह कृषि विपणन सलाहकार या इस संबंध में प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से प्रत्येक आधान पर मजबूती से लगाया जाएगा या मुद्रित किया जाएगा।

(2) श्रेणी अभिधान चिन्ह के अतिरिक्त प्रत्येक आधान पर निम्नलिखित विविधियां स्पष्ट एवं अमिट रूप से चिह्नित की जाएगी :—

- (i) प्राधिकृत पैकर का नाम और कारबार का पता,
- (ii) पैक करने का स्थान ;
- (iii) लाट संख्या और श्रेणी ;
- (iv) पैक करने की तारीख* ;
- (v) अवसान की तारीख ;
- (vi) शुद्ध भार ;
- (vii) चक्कियों में गेहूं, पीसकर प्राप्त गेहूं के आटे के लिए “चक्की” शब्द आधान पर टांप किया जाना चाहिए।

*टिप्पण—पैक करने की तारीख वह तारीख होगी जिस तारीख को नमूने का विश्लेषण पूरा किया गया हो।

(3) कोई प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार या इस संबंध में प्राधिकृत किसी अधिकारी का पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करने अपने प्राइवेट व्यापार चिन्ह या व्यापार ब्रांड लेबल को आधान पर चिन्हांकित कर सकेगा परन्तु यह तब जब कि प्राइवेट व्यापार चिन्ह व्यापार ब्रांड लेबल, इन नियमों के अनुसार आधान पर लगाए गए श्रेणी अभिधान चिन्ह द्वारा उपदर्शित क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न क्वालिटी या श्रेणी न दर्शाता हो।

8. प्राधिकार प्रमाणपत्र की विशेष शर्तें :—साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 3 के उपनियम (8) के अधीन विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त, इन नियमों के प्रयोजनों के लिए जारी किए गए प्रत्येक प्राधिकार प्रमाणपत्र को निम्नलिखित विशेष शर्तें होंगी—

- (1) प्राधिकार प्रमाणपत्र केवल उस व्यक्ति या व्यक्ति निकाय को अनुदत्त किया जाएगा जिसके स्वामित्व में गेहूं के पीसने या मिलान के लिए उपयुक्त मशीनरी हो और जिसके पास किसी विशिष्ट समय पर केवल चोकरयुक्त आटा बनाने की व्यवस्था हो। गेहूं के अन्य उत्पाद, जैसे सूजी और मैदा उसी प्रकार साथ-साथ नहीं बनाए जाएंगे।
- (2) प्राधिकृत पैकर गेहूं के आटे के विश्लेषण के लिए या तो विहित मानकों के अनुसार अपनी स्वयं की प्रयोगशाला स्थापित करेगा या किसी अनुमोदित श्रेणीकरण प्रयोगशाला में पहुंच रखेगा,
- (3) परिसर का रखरखाव स्वास्थ्यकर दृष्टिकोणों में किया जाएगा और सभी क्रियाकारी पूर्ण स्वस्थ होंगे तथा किसी भी संक्रामक, सासंगिक या संचरणीय रोग से मुक्त होंगे।

निरसन और व्यावृत्ति—गेहूं का आटा श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1961 उक्त नियमों के पूर्व प्रवर्तन या उनके अधीन सम्यक रूप से की गई या सहन की गई किसी बात पर प्रभाव डाले बिना निरसित किए जाते हैं।

अनुसूची I

(नियम 3 और नियम 4 देखिए)

गेहूं के आटे (चोकरयुक्त) का एगमार्क श्रेणी अभिधान और क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	भार के अनुसार आर्द्रता प्रतिशत (अधिकतम)	भार के अनुसार कुल भस्म (शुष्क आधार पर) प्रतिशत (अधिकतम)	भार के अनुसार अम्ल अधुलनशील भस्म (शुष्क आधार पर) द्वारा प्रतिशत (अधिकतम)	भार के अनुसार सल्फ्यूरिक अम्ल के रूप में अभिव्यक्त एल्कोहलिक अम्लता (प्रतिशत एल्कोहल के साथ) शुष्क आधार पर प्रतिशत (अधिकतम)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
श्रेणी 1	12.0	2.00	0.10	0.10

भार के अनुसार कच्चा रेशा (शुष्क आधार पर) प्रतिशत (अधिकतम) भार के अनुसार ग्लूटेन शुष्क आधार पर प्रतिशत (न्यूनतम) कणिकता (छलनी परीक्षण द्वारा) साधारण अपेक्षाएं

(6)	(7)	(8)	(9)
2.5	9.0	सामग्री का (भार के अनुसार) कम से कम 99.8 प्रतिशत 600 माइक्रोन भारतीय मानक छलनी से निकाली जाएगी	गेहूं का आटा —(क) (अच्छे और साफ गेहूं को पीसकर या उनका पिल्लियन करके तैयार किया गया चोकरयुक्त आटा होगा ; (ख) अभिलक्षणित और सुवास रखने वाला श्वेत से हल्के भूरे रंग का होगा ;

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
श्रेणी-II	13.0	2.0	0.10	0.5

(6)	(7)	(8)	(9)
2.5	7.0		(ग) विकृत गंधिता, गितकण्ठिता, कीट या कषक प्रसन, किण्वित, फफूंददार या किसी अन्य आपत्तिजनक गंधसे मुक्त होगा।
		उस सामग्री का (भार के अनुसार) कम से कम 99.8 प्रतिशत 600 माइक्रोन वायु भारतीय मानक छलनी से निकाला जाएगा।	(घ) अपमिश्रितों, अशुद्धताओं और अन्य पदार्थों जिनके अन्तर्गत रोडेन्ट, हेयर और रोडेन्ट उत्सर्ग हैं, मुक्त होगा, और
			(ङ) खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के नियम 65-कीटनाशियों के उपयोग पर निर्बंधन—का अनुपालन करेगा।
			(च) घात्विक संदूषण और माइक्रोटोक्सिन, जिसके अंतर्गत अफलाटोक्सिन के लिए खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के नियम 57-क और 57-ख का अनुपालन करेगा।
			(छ) 100 माइक्रोग्राम/कि. ग्रा. से अधिक यूरिक अम्ल अंतर्वस्तु नहीं रखेगा।
			(ज) स्टार्च कणों का सूक्ष्मदर्शी परिक्षण करने पर अभिलक्षणिक स्टार्च संरचना प्रदर्शित करेगा।
			(झ) अच्छी बाणिज्यिक दशा में होगा और सभी प्रकार से मानव उपभोग के लिए उपयुक्त होगा।
			(ञ) इस उत्पाद के लिए “इकोमार्क” के लिए आवेदन करने की दशा में सुसंगत नियमों के अधीन विहित विनिर्देशों का अनुपालन करेगा।

1261 GI/94—4.

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 12th April, 1994

G.S.R. 255.—Whereas the draft Wheat Atta Grading and Marketing Rules, 1993 were published, as required by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) under the notification of the Government of India in the Ministry of Rural Development number GSR 152 dated the 18th February, 1993 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 20th March, 1993 inviting objections and suggestions from all the persons likely to be affected thereby, before the expiry of the period of forty-five days from the date on which copies of the Gazette containing the said notification are made available to the public;

And, whereas, copies of the said Gazette were made available to the public on 22-3-1993;

And, whereas, the objections/suggestions received in respect of the said draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 3 of the said Act and in supersession of the Wheat Atta Grading and Marking Rules, 1961, except as respects of the things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title, application and commencement.—
(1) These rules may be called the Wheat Atta Grading and Marking Rules, 1993.

(2) They shall apply to wheat atta produced in India.

(3) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(b) "Authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of authorisation to grade and mark wheat atta in accordance with the grade, standards and procedures prescribed in these rules;

(c) "Certificate of Authorisation" means a certificate issued under the General Grading and Marking Rules, 1988 authorising a person or a body of persons to grade and mark wheat atta with the grade designation mark;

(d) "Wheat atta" means the whole-meal wheat atta produced by a process in which the Suji and Maida are not extracted;

(e) "Schedule" means Schedule appended to these rules.

3. Grade designations.—The grade designations to indicate the quality of wheat atta shall be as set out in column 1 of the Schedule I.

4. Definition of quality.—The quality indicated by the grade designations shall be as set out against each grade designation in column 2 to 9 of the Schedule I.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of—

(i) a label specifying name of commodity, grade designation and bearing a design consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and the figure of the rising sun with the words "Produce of India" and "भारतीय उत्पाद" resembling the mark as set out in Schedule II, or

(ii) "Agmark Replica" consisting of design incorporating the number of certificate of authorisation, the word "AGMARK", name of commodity and grade designation, re-assembling the mark as set out in Schedule II(A) :

Provided that the use of Agmark replica in lieu of Agmark label will be allowed only to such authorised packer who has been granted necessary permission on application in writing, by the Agricultural Marketing Adviser or an officer duly authorised in this regard and subject to the conditions as may be specified from time to time.

6. Method of packing.—(1) Wheat atta shall be packed in new, sound, clean and dry containers such as cloth bags, jute bags, polywoven bags or packages made of canvas/hessian/paper laminated with polyethylene or polypropylene or any other containers as may be approved by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised in this regard.

(2) The containers shall not be composed, wholly or partly, of any poisonous or deleterious substances which will render the contents injurious to health.

(3) The containers shall be free from insect infestation, fungus contamination or any undesirable smell.

(4) Each package shall contain wheat atta of one grade only. Suitable number of small packs containing graded material of the same lot and grade designation may be packed in a large master container provided that all such packages shall bear appropriate grade designation mark and particulars thereof shall be indicated on the label affixed to the master container.

(5) Each package/container shall be securely closed in the manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised in this regard.

7. Method of marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised in this regard.

(2) In addition to the grade designation mark, the following particulars shall be clearly and indelibly marked on each container—

(i) Name and business address of the authorised packer;

- (ii) Place of packing;
- (iii) Lot number and Grade;
- (iv) Date of packing*;
- (v) Date of expiry.
- (vi) Net weight;
- (vii) For wheat atta obtained by grinding wheat in stone mills (CHAKKIS), the word 'CHAKKI' should be stamped on the container.

*Note—The date of packing shall be the date of completion of the analysis of the sample.

(3) An authorised packer, may, after obtaining prior approval of the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised in this regard, mark his private trade mark or trade brand label on the container provided that the private trade mark, trade brand label does not represent quality or grade different from that indicated by the grade designation mark affixed on the container in accordance with these rules.

8. Special conditions of certificate of authorisation.—In addition to the conditions specified under

sub-rule (8) of rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1988, the following shall be the special conditions of every certificate of authorisation issued for the purposes of these rules—

- (i) The Certificate of authorisation shall be granted to a person or a body of persons who own suitable machinery for grinding or milling wheat and have provision to manufacture only whole meal atta at a particular point of time. Other products of wheat viz. suji and maida shall not be manufactured on the same line simultaneously.
- (2) The authorised packer shall either set up his own laboratory as per the prescribed norms or have access to an approved grading laboratory for analysis of wheat atta.
- (3) The premises shall be maintained in hygienic conditions and all the operatives shall be in sound health and free from any infection, contagious or communicable disease.

9. Repeal and savings.—The Wheat Atta Grading and Marking Rules, 1961 are hereby repealed without affecting the previous operation of the said rules or anything duly done or suffered thereunder.

SCHEDULE—I

(See rules 3 and 4)

Agmark grade designation and definition of quality of Wheat atta (whole meal)

Grade designation	Special requirement			
	Moisture per cent by weight (Max.)	Total ash (on dry basis) per cent by weight (Max.)	Acid insoluble ash (on dry basis) per cent by weight (Max.)	Alcoholic acidity expressed as sulphuric acid (with 90% alcohol) per cent by weight on dry basis (Max.)
1	2	3	4	5
Grade—I	12.0	2.0	0.10	0.10

Crude fibre (on dry basis) per cent by weight (Max.)	Gluten (on dry basis) per cent by weight (Min.)	Granularity (by sieve test)	General requirements
6	7	8	9
2.5	9.0	Not less than 99.8 per cent (by weight) of the material shall pass through 600 micron I.S. Sieve.	Wheat atta shall,— (a) be the whole meal atta prepared by milling or grinding sound and clean grains wheat; (b) be whitish to light brown in colour having characteristic taste and flavour;

SCHEDULE

9

(c) be free from rancidity, grittiness, insect or fungus infestation, fermented, musty or any other objectionable odour;

(d) be free from adulterants, impurities and other extraneous matter including rodent hair and rodent excreta;

Grade-II

13.0

2.0

0.10

0.15

6

7

8

9

2.5

7.0

Not less than 98 percent (by weight) of that material shall pass through 500 micron I.S. sieve.

(e) comply with rule 65-Restriction on the use of insecticides of the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955;

(f) comply with rule 57-A and 57-B of Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 for metallic contamination and Mycotoxins including Aflatoxin;

(g) not have Uric acid content more than 100 microgram/Kg.,

(h) on microscopic examination of starch particles, should exhibit characteristic starch structure;

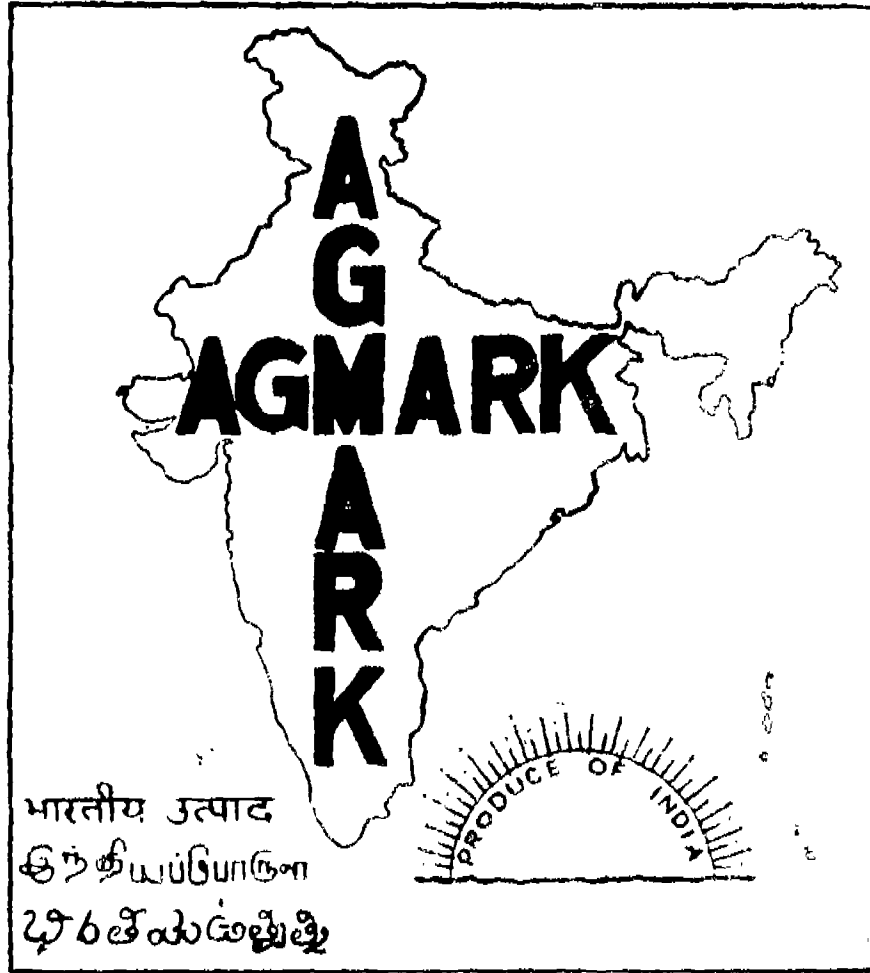
(i) be in sound merchantable condition and fit in all respects for human consumption;

(j) comply with specifications prescribed under relevant rules, in case of application of Ecomark for this product.

Schedule II

[See rule 5(i)]

Design of Agmark label



Schedule II (A)

(See rule 5 (ii))

Design on Agmark replica



Name of the Commodity
Grade

[File No. 45012/10/92-M. II]
P. JYOTI RAO, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 17 मई, 1994

भा.का.नि. 256 ---निबुकुल फल श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम 1949 का और संशोधन करने के लिए नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणी और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से जिसकी इस अधिसूचना में उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैनामोश शिन की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऐसा कोई व्यक्ति, जो उक्त प्रारूप की वाचन कोई सुझाव देना या आक्षेप करना चाहता है, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार करने के लिए इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, विपणन और निरीक्षण निदेशालय, केन्द्रीय सरकार कार्यालय गया भवन नंबर 4, फरोडाबाद 121001 (हरियाणा) को भेज सकता है।

प्रारूप नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम निबुकुल फल श्रेणीकरण और चिह्नांकन (संशोधन) नियम, 1994 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. निबुकुल फल श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम 1949 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम 2 को नियम 2 के रूप में पुनर्संख्याकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनर्संख्याकित नियम, उक्त के पहले निम्नलिखित नियम अंत स्थापित किया जाएगा

अर्थात्:—

“2. परिभाषाएं:—इन नियमों में जहाँ तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हों:—

(1) “कृषि विपणन सलाहकार” से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है।

(2) “प्राधिकृत पैकर” से अभिप्रेत है ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों का निराय जिसमें इन नियमों के अधीन विहित श्रेणी मानक और प्रतियां के अनुसार

निबुकुल फलों का श्रेणीकरण और चिह्नांकन करने के लिए प्राधिकार प्रमाणपत्र अनुदत्त किया गया है।

(3) “प्राधिकार प्रमाणपत्र” से श्रेणी अभिधान चिह्न में निबुकुल फलों का श्रेणीकरण और चिह्नांकन करने के लिए किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के नियम को प्राधिकृत करने हुए साधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1988 के अधीन विहित प्राधमार्ग में जारी किया गया प्रमाणपत्र अभिप्रेत है।

(4) “अनुसूची” से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

3. उक्त नियम के पुनर्संख्याकित नियम 2 के में “अनुसूची 2 से अनुसूची 7” शब्द और अंकों के स्थान पर “अनुसूची 2 से अनुसूची 8” शब्द और अंक रखे जाएंगे।

4. उक्त नियम के नियम 3 में “स्तंभ 2 और स्तंभ में” शब्द और अंकों के पश्चात् तथा अनुसूची 8 के स्तंभ 2 से स्तंभ 4 तक में शब्दों और अंक जोड़े जाएंगे।

5. उक्त नियम के नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा अर्थात्:—

“4. श्रेणी अभिधान चिह्न :— श्रेणी अभिधान चिह्न में निम्नलिखित होगा:—

(i) एक लेबल जिस पर वस्तु का नाम श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट होगा और उस पर अनुसूची-1 में दिए गए डिजाइन के संदेश एक डिजाइन होगा जिसमें “AGMARK” शब्द के साथ भारत के मानचित्र का रेखाचित्र और “PRODUCE OF INDIA” तथा “भारतीय उत्पाद” शब्दों के साथ संकेत होते हुए धूप का चित्र होगा; या

(ii) “AGMARK” “एगमार्क” प्रतिकृति जिसमें प्राधिकार प्रमाणपत्र का संख्यांक सम्मिलित करते हुए डिजाइन “AGMARK” “एगमार्क” शब्द, वस्तु का नाम, श्रेणी अभिधान होगा और उसके सदृश होगा जैसा अनुसूची 1क से दिया गया है।

परन्तु एगमार्क लेबल के बदले में एगमार्क प्रतिकृति का उपयोग केवल ऐसे प्राधिकृत पैकरो के लिए अनुज्ञात होगा जिसे कृषि विपणन सलाहकार या इस संबंध में प्राधिकृत

किसी अधिकारी द्वारा और साधारण श्रेणीकरण और चिह्नोक्त नियम, 1988 के अधीन विहित शर्तों के अधीन रहते हुए, आवश्यक अनुज्ञा अनुदत्त की गई है।”

“6. उक्त नियम के नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा अर्थात् :-

1. पैक करने की रीति :- (1) निम्नकृत फल जूट के थैलों बहुवृत्ति थैलों, छिद्रित पालिथीन थैलों, टोकरीयों, नालीदार फाइबर बोर्डेड डब्बों, लकड़ी के बक्सों/क्रेटों/केसों, प्रत्यावर्तनीय प्लास्टिक क्रेटों या अन्य उपयुक्त आधानों में, जो स्वच्छ ठोस और कीट/कवक संक्रमण से मुक्त होंगे, पैक किया जाएगा।

(2) सूखे घाय, पुजाल, पत्तों कागज के कतरनों जैसी ऐसी उपयुक्त गद्देदार सामग्री का उपयोग किया जा सकेगा, जो स्वच्छ शुष्क कवक संक्रमण, कीट आक्रमण और घुणाजनक मध्य से मुक्त होगी।

(3) प्रत्येक पैकेज में उसी किस्म और उसी श्रेणी अभिधान के तथा उचित रूप से एक से फल होंगे और ऊपरी परत आकार, प्राकृति, परिपक्वता रंग और दृश्यमान नुस्सों से मुक्त की बाबत पैकेज की संपूर्ण अंतर्वस्तुओं का ध्यान होगा।

(4) प्रत्येक पैकेज को मजबूती से बंद किया जाएगा”।

7. उक्त नियम की अनुसूची 1 के पश्चात् निम्नलिखित नई अनुसूची जोड़ी जाएगी, अर्थात्:-

अनुसूची 1 क

[नियम 4 (ii) देखिए]

एगमार्क प्रतिकृति का डिजाइन



Name of Commodity.....

Grade.....

8. उक्त नियम की अनुसूची 7 के पश्चात् अनुसूची निम्नलिखित नई जोड़ी जाएगी, अर्थात्:-

अनुसूची 8

श्रेणी अभिधान और किन्तु पंक्तियों की क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	विशेष अपेक्षाएं		साधारण अपेक्षाएं
	फल का आकार न्यूनतम व्यास	प्रति फल का न्यूनतम भार	
(1)	(2)	(3)	(4)
श्रेणी-1	75 एम एम	225 ग्राम	किन्तु संतरे:-
श्रेणी-2	60 एम एम	200 ग्राम	(क) रूप में सुविकसित, परिपक्व, लहू,
श्रेणी-3	40 एम एम	125 ग्राम	ठोस, स्वच्छ और ताजे होंगे :

(1)	(2)	(3)	(4)
श्रेणी-4	35 एम एम	75 ग्राम	(ख) आकार आकृति में उचित रूप से एक में होंगे और सुनहरे नारंगी रंग के संतरे होंगे। (ग) माध्यम मोटाई के छिलके वाले कम चिपकाव सहित चीमड़ से मुलायम होंगे : (घ) कुरूपता, कीट, नाशक, जीव या रोग संक्रमण, यांत्रिक क्षति, धूप ताज्जता, सुस्पष्ट, खरोंच या स्पष्ट धब्बों से मुक्त होंगे ; (ङ) अपरिपक्व, अधिक पक्व या पूर्ण अपक्व फलों से मुक्त होंगे।

*अगले निम्नतर श्रेणी के आकार और भार विनिर्देशों के अनुरूप फलों के संबंध से श्रेणीकरण करने में दस प्रतिशत की सहायता आकस्मिक गलतियों के लिए अनुज्ञात की जायेगी।

“किनूनी” कैलीफोर्निया में विकसित किंग और बिलो लीफ मैनड्रेन के बीच का संकर है।

[सं 18014/4/93 एम-II]

टिप्पण :—

पी ज्योति राव, संयुक्त सचिव

- (1) मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग 1, खण्ड 1, तारीख 16-7-1949 में भारत सरकार के कृषि मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. एफ 5-3/49 तारीख 8-7-1949 के अधीन प्रकाशित किए गए थे
- (2) पहला संशोधन भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3(ii), तारीख 7-3-1962 में का. आ. 1006 तारीख 27-3-1962 के साथ प्रकाशित किया गया

New Delhi, the 17th May, 1994

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

G.S.R. 256.—The following draft of certain rules further to amend the Citrus Fruits Grading and Marking Rules, 1949, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published, as required by the said section, for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of a period of forty-five days from the date on which copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public;

Any suggestion or objection which may be received from any person with respect to the said draft within the period so specified will be considered by the Central Government. All suggestions and objections may be addressed to the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, Directorate of Marketing and Inspection, Head Office, Central Government Offices, New Building, Neighbourhood IV, Faridabad-121001 (Haryana).

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Citrus Fruits Grading and Marking (Amendment) Rules, 1994.

2. In the Citrus Fruits Grading and Marking Rules, 1949 (hereinafter referred to as the said rules), rule 2 shall be renumbered as rule 2A. Before rule 2A as so renumbered, the following rule shall be inserted, namely,—

“2. Definitions :—In these rules, unless the context otherwise requires;—

- (1) “Agricultural Marketing Adviser” means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;
- (2) “Authorised Packer” means a persons or a body of persons who has been granted a Certificate of Authorisation to grade and mark citrus fruits in accordance with the grade standards and procedure prescribed under these rules;
- (3) “Certificate of Authorisation” means a certificate in the prescribed form, issued under the General Grading and Marking Rules, 1988, authorising a person or body of persons to grade and mark citrus fruits with the grade designation marks;

(4) "Schedule" means a Schedule appended to these rules."

3. In rule 2A as so renumbered of the said rules, for the word and figures "Schedules II to VII" the words and figures "Schedules II to VIII" shall be substituted.

4. In rule 3 of the said rules, after the words and figures "Schedules II to VII" the words and figures "and in columns 2 to 4 of Schedules VIII" shall be added at the end.

5. For rule 4 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"4. Grade designation marks : The grade designation marks shall consists of, —

(i) a label specifying name of the commodity, grade designation and bearing a design consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and figure of the rising sun with the words "Produce of India" and "भारत का उत्पाद" resembling the one as set out in Schedule-I; or

(ii) Agmark replica consisting of a design incorporating the number of certificate of authorisation, the word "AGMARK", name of commodity, grade designation and resembling the one as set out in Schedule IA;

Provided that use of AGMARK replica in lieu of AGMARK labels will be allowed

7. After Schedule 1 of the said rules, the following

only to such authorised packers who have been granted necessary permission by the Agricultural Marketing Adviser or an Officer authorised by him in this regard and subject to the conditions as prescribed under the General Grading and Marking Rules, 1988."

6. For rule 6 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"6. Method of Packing : (1) Citrus fruits shall be packed in jute bags, poly-woven bags, perforated polyethylene bags, baskets, corrugated fibre board cartons, wooden boxes|crates|cases, returnable plastic crates or other suitable containers which shall be clean, sound and free from insect|fungal infection.

(2) Suitable cushioning materials such as dry grass, paddy straw, leaves, paper shavings may be used which shall be clean, dry, free from fungal infection, insect attack and obnoxious smell.

(3) Each package shall contain fruits of the same variety and of the same grade designation, reasonably uniform and the top layer shall be representative of the entire contents of the package in respect of size, shape, maturity, colour and freedom from visible defects;

(4) Each package shall be securely closed."

new Schedule shall be inserted, namely :—

"Schedule IA

[See rule 4(ii)]

Design of AGMARK replica



Name of Commodity.....
Grade.....

8. After Schedule VII of the said rules, following new Schedule shall be added, namely:—

"SCHEDULE-VIII

(See rules 2A and 5.)

Grade designations and definition of quality of KINNOW Oranges

Grade designation	Special requirements		General requirements,
	Size of fruit Diameter@ Minimum	Weight per Fruit@ Minimum	
1	2	3	4
Grade-I	75 mm	225 gms	*Kinnow Oranges shall—
Grade-II	60 mm	200 gms	(a) be well-developed, mature, firm, sound
Grade-III	40 mm	125 gms	clean and fresh in appearance;
Grade-IV	35 mm	75 gms	(b) be reasonably uniform in size, shape
			and of orange to golden orange
			colour;
			(c) have rind of medium thickness, leathery to soft with slight adherence;
			(d) be free from malformation, insect
			pest or disease infestation, mechanical
			injury, sunburn, marked bruising or
			pronounced blemishes;
			(e) be free from immature, over-ripe or
			complete green fruits.

@A tolerance of 10 percent shall be allowed for accidental errors in grading in respect of fruits conforming to size and weight specifications of the next lower grade.

* Kinnow is a hybrid between KING and WILLOW LEAF mandarin developed in California."

[No. 18011/4/93-M.—II]

P. JYOTI RAO, Jt. Secy.

Foot-Note : Principal rules were published vide No. F. 5—3/49 Co., dated 8-7-1949, Gazette, Part I, Section I, dated 16-7-1949 amended vide S.O. 1006, dated 27-3-1962.

MINISTRY OF LABOUR

CORRIGENDUM

New Delhi, the 13th May, 1994

G.S.R. 257.—In the Labour Bureau (Investigator Grade-I) Recruitment Rules, 1993, published with the notification of the Government of India, in the

Ministry of Labour, Number G.S.R. 364, in the Gazette of India dated the 10th July, 1993 at pages 1149 to 1151,—at page 1150, in the Schedule, in Column 7, insert "No".

[No. A-12018/4/87-ESA(IB)]

P. K. RADHY, Jt. Secy.